तृतीय प्रश्न–पत्र : साहित्य शास्त्र

पाठ्य विषय – पाँच इकाइयों में विभक्त होगा। अंक – 100

इकाई – I

साहित्य की परिभाषा, तत्त्व एवं उद्देश्य।

काव्य के लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य–गुण, काव्य–दोष, शब्द शक्ति।

इकाई – II

भारतीय साहित्य सिद्धांत– रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य।

रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।

इकाई – III

पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत–

प्लेटो : अनुकरण सिद्धान्त,

अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन,

वर्डसवर्थ : काव्यभाषा सिद्धांत

कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी

टी.एस. इलियट : परम्परा और निर्वेयक्तिकता।

आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत तथा काव्यभाषा सिद्धांत।

लौंजाइनस का उदात्त तत्त्व, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

मार्क्सवादी आलोचना : विचार प्रणाली और साहित्य।

इकाई – IV

आधुनिक हिन्दी समीक्षा के प्रमुख रूप– शास्त्रीय, स्वच्छन्दतावादी, प्रगतिवादी और नयी समीक्षा।

इकाई – V

मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ– विडम्बना, अजनबीपन, विसंगति, अन्तर्विरोध, विखण्डन

स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

सहायक ग्रंथ –

1. कृष्णदेव झारी : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत, शारदा प्रकाशन, नई दिल्ली
2. डॉ. नवीन नंदवाना : काव्यांग प्रभा, मलिक बुक कंपनी, जयपुर
3. के.के. शर्मा व नवीन नंदवाना : ध्वनि सिद्धांत : एक नया मूल्यांकन, सुभद्रा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
4. गणपति चंद्र गुप्त : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. नगेन्द्र : भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
6. बच्चन सिंह : हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भगीरथ मिश्र : काव्य शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. डॉ. मनोज पंड्या : साहित्शास्त्र, हिमांशु पब्लिकेशंस, उदयपुर–नई दिल्ली
9. योगेंद्र प्रताप सिंह : भारतीय काव्यशास्त्र , लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
10. राममूर्ति त्रिपाठी : भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरुप गुप्त : भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, अशोक प्रकाशन, दिल्ली